धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मनुष्य के भावों, विचारों, अनुभवों एवं आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति भाषा के माध्यम से ही सम्भव है। भाषा की शक्ति के माध्यम से ही मनुष्य ने ज्ञान-विज्ञान सहित सभी क्षेत्रों में प्रगति सुनिश्चित की है। किसी भी सुदृढ़, सक्षम एवं मज़बूत राष्ट्र की पहचान इस बात से होती है कि उसकी अपनी भाषा कितनी व्यापक एवं समर्थ है।

मुझे प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान उपनिवेशवादी वर्चस्व के विरुद्ध राष्ट्रीयता की भावना को लेकर विकसित हुई हिन्दी भाषा ने तमाम चुनौतियों एवं संकटों पर पार पाते हुए आज विश्वपटल पर अपना गौरवपूर्ण स्थान निर्मित किया है। अपनी व्यापकता एवं उदारता के कारण हिन्दी हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की पूरक है। हिन्दी भाषा में सृजित रचनात्मक एवं ज्ञानात्मक साहित्य किसी भी अन्य वैश्विक भाषा से कमतर नहीं है। हिन्दी भाषा की संरचना एवं प्रकृति इतनी उदार है कि वह दूसरी भाषा के गुण-धर्म एवं संरचना तथा युग-सापेक्ष हुए तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप स्वयं को विकसित करती हुई, उन्हें आत्मसात कर लेती है। हिन्दी के इसी गुण की ओर संकेत करते हुए वरिष्ठ हिन्दी कवि गिरिजा कुमार माथुर ने लिखा है –

"सागर में मिलती धाराएँ, हिन्दी सबकी संगम है,
शब्द, नाद, लिपि से भी आगे, एक भरोसा अनुपम है।
गंगा-कावेरी की धारा, साथ मिलाती हिन्दी है,
पूर्व-पश्चिम, कमल-पंखुरी, सेतु बनाती हिन्दी है ।।"

हिन्दी की इस सामासिक एवं समावेशी प्रकृति के कारण ही संविधान निर्माताओं ने संविधान के अनुच्छेद 351 के तहत हमें यह दायित्व सौंपा है कि हम हिन्दी के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करें और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली एवं पदों को आत्मसात करते हुए, संस्कृत और अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि को सुनिश्चित करें।

संविधान द्वारा प्रदत्त इस दायित्व का हमें उत्कृष्टता से निर्वहन करना है। साथ ही, सूचना तकनीक के वर्तमान दौर में हिन्दी को हमें विभिन्न 'ई-टूल्स' के साथ भी जोड़ना है। मैं हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर शिक्षा मंत्रालय और उससे सम्बद्ध सभी कार्यालयों से आह्वान करता हूँ कि वे हिन्दी सहित सभी भारतीय भाषाओं की समृद्धि एवं विकास के लिए पूर्ण निष्ठा एवं प्रतिबद्धता से कार्य करें।

हिन्दी दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ !

जय हिन्द !
नई दिल्ली
14 सितम्बर, 2021

धर्मेन्द्र

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in